Chhatrapati Shivaji International Airport

The erstwhile Royal Air Force Santacruz, a military airfield, commenced its operations in 1942. The airfield was transferred to the Indian Government for civil use upon independence and came to be known as Santacruz airport. The hangars of Royal Air Force Santacruz were converted into terminals for passenger traffic, one hangar was used as a domestic terminal and the other as an international terminal. As time went and the passenger traffic increased, so did the need for the systematic development of the airport.

With the dawning of the Jumbo Jet era in 1970s, the Santacruz airport, despite several extensions, began suffering from insufficient operational capacity. The International Airports Authority of India then planned the construction of a new terminal building to demarcate domestic and international passenger traffic and thus, the new international terminal at Sahar in Andheri saw the light of the day. In 1999, the airport was rechristened to Chhatrapati Shivaji International Airport (CSIA).

Mumbai Airport has reached a new height on a journey full of commendable milestones. Its completion of 75 years of public service is a moment of pride and an occasion to reflect the growth it has witnessed over the last seven and a half decades. CSIA during this period witnessed an enormous growth in passenger movements, which necessitated the establishment of a state-of-the-art infrastructure.

In 2006, as an initiative under Public-Private-Partnership, the operations of the airport were entrusted to the Mumbai International Airport Pvt Ltd. (MIAL), a joint venture between the GVK led consortium and the Airports Authority of India. In addition to refurbishing the existing terminals and improving airside infrastructure, MIAL made significant improvements to the aesthetics and passenger convenience with the creation of the state-of-the-art Terminal 2, setting new benchmark in service quality and efficiency.

Mumbai Airport is catering to over 45 million passengers annually, connecting Mumbai to over 99 domestic and international destinations. Compared to 22 million annual passengers and average daily 584 flight movements in FY 2007, in FY 2017, annual passengers handled were 45 million and average daily flight movements were 867. CSIA is the only airport in the world having handled 935 flight movements on a single runway on a given day.

To provide travelers a glimpse of the rich Indian heritage and culture, T2 houses a magnificent art program named “Jaya He” which is India's largest art program for public display. It was conceived as an initiation to make passengers aware of the environment of the airport, the city of Mumbai and India as a whole. Reflecting the many layered story of India, “Jaya He” evolved into an immense multidisciplinary endeavour, like a new museum. This art museum is home to over 7000 art pieces made by various artisans from the different regions of the country.

CSIA is one amongst the three airports in the world, to be inducted into the Airport Council International (ACI) Director General's Roll of Excellence in 2015, for consistently being ranked amongst the top five airport in its category by ACI under the Airport Service Quality (ASQ) program for five years (2009 to 2014).

CSIA was rated as the 'World's Best Airport' in the 25 – 40 million passengers per annum category by ACI in the Airport Service Quality Award 2015. It was also recognized at the Skytrax Awards 2017 for 'Best Airport Staff Service', showcasing its superlative service and passenger experience. Recently, CSIA has been adjudged as the 'World's Second Best Airport' in over 40 million passengers per annum category by ACI.

On completion of 75 years, Department of Posts is pleased to release a set of two Commemorative Postage Stamps on Chhatrapati Shivaji International Airport.

Credits:-

Text : Based on the material received from proponent

Stamps / Miniature Sheet/FDC/ Brochure/Cancellation Cachet : Sh. Brahm Prakash

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA



छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा
Chhatrapati Shivaji International Airport
1942 - 2017



छत्रपति शिवाजी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

सर्वप्रथम रॉयल एयर फोर्स सांताक्रुज का परिचालन 1942 में आरंभ हुआ। यह एक मिलिट्री एयरफील्ड था, जिसे आजादी के बाद भारत सरकार को नागरिकों के इस्तेमाल के लिए सौंप दिया गया और यह सांताक्रुज एयरपोर्ट के नाम से जाना जाने लगा। रॉयल एयर फोर्स सांताक्रुज के हैंगरों को यात्रियों के यातायात के लिए टर्मिनल्स में बदला गया। एक हैंगर का इस्तेमाल घरेलू और दूसरे का इस्तेमाल अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए किया जाता था। जैसे-जैसे समय बीतता गया और आवागमन बढ़ा, शहर के हवाईअड्डे को व्यवस्थित तरीके से विकसित करने की आवश्यकता महसूस की गई।

1970 के दशक में जंबो जेट युग के प्रारम्भ होने के साथ कई विस्तारों के बावजूद, सांताक्रुज एयरपोर्ट को अपर्याप्त परिचालनीय क्षमता का सामना करना पड़ रहा था। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विमान प्राधिकरण ने तब घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के आवागमन को अलग-अलग करने के लिए एक नई टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण करने की योजना बनाई, जिसके अंतर्गत अंधेरी के सहर में नया इंटरनेशनल टर्मिनल बनाने का काम शुरू हुआ। वर्ष 1999 में एयरपोर्ट का नाम छत्रपति शिवाजी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट (सीएसआईए) किया गया।

मुम्बई एयरपोर्ट कई सराहनीय उपलब्धियां हासिल करते हुए, अपनी यात्रा की नई ऊँचाई पर पहुंचा है। मुम्बई एयरपोर्ट का जनसेवा के 75 वर्ष पूरे करना एक बड़े गौरव की बात है तथा मुम्बई एयरपोर्ट द्वारा विगत साढ़े सात दशकों के दौरान हासिल किए गए विकास को प्रदर्शित करने का अवसर भी है। इस दौरान यात्रियों के आवागमन में भारी वृद्धि को देखते हुए, मुम्बई एयरपोर्ट के लिए एक अत्याधुनिक आधारिक संरचना स्थापित करने की आवश्यकता महसूस की गई।

वर्ष 2006 में, पब्लिक-प्राइवेट भागीदारी के अंतर्गत एक पहल के रूप में एयरपोर्ट का परिचालन जीवीके के नेतृत्व वाले संघ और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के एक संयुक्त उपक्रम मुम्बई इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा.लि. (एमआईएएल) को सौंपा गया। मौजूदा टर्मिनल्स में सुधार और एयरसाइड आधारिक संरचना को बेहतर बनाने के अलावा, एमआईएएल ने एयरपोर्ट के सौंदर्य और यात्रियों की सुविधा में भी काफी सुधार किया है। इसके अंतर्गत अत्याधुनिक टर्मिनल 2 का निर्माण किया गया जिसने सेवा गुणवत्ता तथा दक्षता में एक नई मिसाल कायम की।

मुम्बई एयरपोर्ट प्रतिवर्ष 45 मिलियन से अधिक यात्रियों को सेवाएं उपलब्ध कराता है। यह मुम्बई को 99 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों से जोड़ता है। वित्त वर्ष 2007 में 22 मिलियन यात्री प्रतिवर्ष और प्रतिदिन औसत 584 उड़ानों की तुलना में वित्त वर्ष 2017 में 45 मिलियन यात्री और औसत 867 दैनिक उड़ानों के परिचालन का प्रबंध किया गया। सीएसआईए एक निर्धारित दिवस में 935 उड़ानों का केवल एक रनवे पर परिचालन करने वाला दुनिया का एकमात्र एयरपोर्ट है।

यात्रियों को समृद्ध भारतीय विरासत और संस्कृति की एक झलक उपलब्ध कराने के लिए टर्मिनल 2 में एक भव्य कला कार्यक्रम 'जय हे' संग्रहित किया गया। 'जय हे' भारत का सबसे बड़ा सार्वजनिक कला प्रदर्शन कार्यक्रम है। 'जय हे' की रचना यात्रियों को एयरपोर्ट, मुम्बई शहर और समग्र रूप से भारत के वातावरण से अवगत कराने के लिए की गई। 'जय हे' का प्रारंभ एक नए संग्रहालय की भांति बहुविषयक प्रयास को प्रकट करने के लिए किया गया है। इस कला संग्रहालय में 7000 से अधिक कलाकृतियां शामिल हैं, जिन्हें देश के विभिन्न क्षेत्रों के कारीगरों द्वारा बनाया गया है।

सीएसआईए दुनिया में तीन एयरपोर्टों में से एक है, जिसे लगातार पाँच वर्षों तक (2009-2014) एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी (एएसक्यू) कार्यक्रम के अंतर्गत एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) द्वारा निरंतर अपनी श्रेणी के उच्चतम 5 एयरपोर्ट में शामिल किए जाने पर 2015 में एसीआई डायरेक्टर जनरल के रोल ऑफ एक्सीलेंस में शामिल किया गया।

सीएसआईए को एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी अवार्ड 2015 में एसीआई द्वारा प्रतिवर्ष 25-40 मिलियन यात्री की श्रेणी में 'वर्ल्ड्स बेस्ट एयरपोर्ट' का दर्जा प्रदान किया गया और स्काइट्रैक्स अवार्ड्स 2017 में 'बेस्ट एयरपोर्ट स्टाफ सर्विस' के लिए भी सम्मानित किया गया, जो सीएसआइए के उत्कृष्ट सेवा और यात्री अनुभव को दर्शाता है। हाल ही में, सीएसआइए को एसीआई द्वारा दुनिया में प्रतिवर्ष 40 मिलियन से अधिक यात्रियों वाले एयरपोर्ट की श्रेणी में 'वर्ल्ड्स सेकन्ड बेस्ट एयरपोर्ट' घोषित किया गया है।

छत्रपति शिवाजी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा के 75 वर्ष पूरे होने पर, डाक विभाग इस पर दो स्मारक डाक-टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:-

मूलपाठ	:	प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित
डाक टिकट/मिनियेचर शीट/ प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/ विरूपण	:	श्री ब्रह्म प्रकाश

भारतीय डाक
India Post

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसा, 1500 पैसा
Denomination	:	500 p, 1500 p
मुद्रित डाक टिकटें	:	602000
Stamps Printed	:	602000
मुद्रित मिनियेचर शीट	:	1.0 लाख
Miniature Sheet Printed	:	0.1 million
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक
Printer	:	India Security Press, Nashik

The philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00